क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

E-mail: krantisamay@gmail.com
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 221, गुरुवार, 06 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वायुसेना उप प्रमुख बोले- राफेल एक बेहतरीन विमान, इसे उड़ाने को सेना तैयार

नेशनल डेस्क।

राफेल से जुड़े 58,000 करोड़ रुपये के सौदे को लेकर विवाद के बीच वायुसेना ने कहा कि यह एक बेहतरीन विमान है जो भारत को अभूतपूर्व युद्धक क्षमता प्रदान करेगा। वायुसेना के उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ) एयर मार्शल एस बी देव ने कहा कि राफेल सौदे की आलोचना करने वाले लोगों को निर्धारित मानदंडों और खरीद प्रक्रिया को समझना चाहिए। देव ने कहा कि राफेल एक बेहतरीन विमान है...यह काफी सक्षम विमान है और हम इसे उड़ाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। राफेल विवाद से जुड़े विवाद के बारे में उनसे एक कार्यक्रम से इतर सवाल किय गया था। एयर मार्शल ने कहा कि राफेल विमान से भारत को इस क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर अभूतपूर्व बढ़त प्राप्त होगी। भारत ने 36 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए 58,000 करोड़ रुपये की लागत से सितंबर 2016 में फ्रांस के साथ अंतर-सरकारी समझौता किया था। इन विमानों की आपूर्ति सितंबर 2019 से शुरू होने वाली है। कांग्रेस ने इस सौदे को लेकर कई सवाल उठाए हैं जिनमें विमान की कीमतें शामिल हैं। हालांकि सरकार ने आरोपों को खारिज कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

देश का पहला रोटी बैंक, मुफ्त में मिलेगा खाना

डूंगरपुर। दक्षिणी राजस्थान के छोटे शहर डूंगरपुर में देश का पहला रोटी बैंक खोला गया है जहां कोई भी व्यक्ति निःशुल्क दोपहर का भोजन कर सकता है। शहर में अपनी तरह की यह अनोखी पहल नगर परिषद के अस्पताल में की गई है। इसके लिए डूंगरपुर नगर परिषद ने स्थान उपलब्ध कराया है जबकि दिन-प्रतिदिन की व्यवस्था का जिम्मा शहर के समाजसेवियों ने उठाया है। नगर परिषद के सभापति एवं स्वच्छ राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर के.के.गुप्ता की पहल पर यह रोटी बैंक खोलने का निर्णय लिया है। पिछले सप्ताह इस बैंक खोलने की घोषणा की गई थी। गुप्ता ने बताया कि शहर में इस जिले का एकमात्र अस्पताल है। मरीजों को तो भोजन अस्पताल उपलब्ध करा देता है लेकिन उनके तिमारदारों को भोजन के लिए परेशान होना पड़ता है। शहर में पर्याप्त होटल या धर्मशाला भी उपलब्ध नहीं है। आस-पास के क्षेत्रों में इस शहर का प्रमुख स्थान है। यहां सरकारी नौकरियों के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। परीक्षार्थियों को रहने और खाने की भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखकर रोटी बैंक की शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि इस बैंक से कोई भी व्यक्ति निःशुल्क रोटी प्राप्त कर सकता है। कोई व्यक्ति चाहे तो धन या श्रम का दान भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि रोटी बैंक के संचालन के लिए एक ट्रस्ट की स्थापना की गई है। कोई भी व्यक्ति एक लाख रुपए दान करके इसका ट्रस्टी बन सकता है। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति विशेष अवसरों जैसे जन्मदिवस, जयंती या पुण्यतिथि तथा त्योहारों पर भोजन की व्यवस्था का जिम्मा ले सकता है। गुप्ता ने बताया कि इसमें बच्चों को जोडने के लिए एक विशेष व्यवस्था शुरू की गई है। स्कूल में पढने वाले प्रत्येक बच्चे से घर से एक अतिरक्त रोटी लाने के लिए कहा जाएगा। इन रोटियों को लंच के समय जरुरतमंद व्यक्तियों तक पहुंचा दिया जाएगा।

चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी में छोड़ा पानी, एयरलिफ्ट कर अरुणाचल प्रदेश में 19 लोगों को बचाया

शिलांग। चीन में भारी बारिश के चलते पिछले दिनों ब्रह्मपुत्र नदी में पानी छोड़ दिया है। चीन के पानी छोड़ने से अरुणाचल प्रदेश की सियांग नदी में भी पानी बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार त्संगपो नदी से 9020 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वहीं अरुणाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित एक द्वीप में फंसे 19 लोगों को वायुसेना ने हवाई मार्ग से सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि असम के धेमाजी जिले से 200 से अधिक लोगों को बचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण धेमाजी में सियांग नदी उफान पर है। सियांग नदी चीन से निकलती है। मेघालय के तीन जिलों में भी बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। सियांग नदी मूल रूप से तिब्बत से निकलती है और चीन में इसे त्संगपो के रूप में जाना जाता है। यह लोहित और दिबांग नदी के साथ मिलकर असम में ब्रहमपुत्र नदी में तब्दील हो जाती है।

मालेगांव धमाका एनआईए ने पुरोहित सहित आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया टाली

मुंबई। एक स्थानीय अदालत ने बुधवार को 2008 के मालेगांव धमाका मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया टाल दी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत के न्यायाधीश विनोद पाडलकर ने आरोप तय करने का काम उस वक्त टाल दिया जब पुरोहित एवं अन्य आरोपियों ने गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत उन पर मुकदमा चलाने की वैधता पर आपत्ति जताई। पूर्व मेजर रमेश उपाध्याय नाम के एक आरोपी ने दलील दी कि मुकदमे की सुनवाई शुरू करने से पहले इस पर फैसला होना चाहिए कि क्या उन पर यूएपीए लागू हो सकता है। न्यायाधीश ने मामले को स्थगित कर दिया और कहा कि अदालत अगले सोमवार से सभी आरोपियों की दलीलें सुनेगी। उन्होंने कहा कि दलीलों की सुनवाई हर रोज होगी और इसकी शुरुआत पुरोहित से होगी। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पुरोहित की वह अर्जी खारिज कर दी थी जिसमें उन्होंने मांग की थी कि निचली अदालत को इस मामले में उनके और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने से रोका जाए। पुरोहित ने अपनी अर्जी में उच्च न्यायालय से अनुरोध किया था कि आरोप तय करने की प्रक्रिया पर तब तक रोक लगाई जाए जब तक उच्च न्यायालय द्वारा उन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी के मुद्दे पर फैसला नहीं कर लेता। पिछले साल 18 दिसंबर को उच्च न्यायालय ने पुरोहित पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार की मंजूरी को रद्द करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, जिसने 20 अप्रैल को इस मामले में दखल से इनकार कर दिया था।

पुलिस के उत्साह को कम करने वाले लेखों से बचे मीडिया: वैद

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक डॉ. एस. पी. वैद ने कहा है कि मीडिया को राज्य में दशकों से युद्ध लड़ रही पुलिस के उत्साह को कम करने वाले लेखों को प्रकाशित करने से बचना चाहिए। वैद ने राज्य के पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण पर समाचार चैनल एनडीटीवी की रिपोर्ट पर यह प्रतिक्रिया व्यक्त की। वैद ने ट्वीट किया,जम्मू कश्मीर पुलिस दशकों से छद्म युद्ध लड़ रही है। इस कार्य के लिए बहुत साहस और दृढ़ता की आवश्यकता होती है। ऐसे में पुलिस के उत्साह को कम करने वाले कल्पित लेखों से बचना चाहिए। मैं एनडीटीवी की रिपोर्ट के संबंध में कहना चाहता हूं कि स्थानांतरण सरकार का विशेषाधिकार और एक नियमित प्रक्रिया है। एनडीटीवी की रिपोर्ट में कहा गया था कि गृह मंत्रालय जम्मू कश्मीर पुलिस के कामकाज से संतुष्ट नहीं है और वह वैद के विकल्प की तलाश कर रहा है। गृह मंत्रालय ने हालांकि सभी आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा है कि वह जम्मू कश्मीर पुलिस सराहनीय कार्य कर रही है। गृह मंत्रालय ने कई अवसरों पर राज्य पुलिस के कामकाज की सराहना की है।

लड़की के अपहरण वाले बयान की मनसे-राकांपा ने की आलोचना

मुंबई।

मनसे और राकांपा ने महाराष्ट्र भाजपा विधायक राम कदम की तुलना बुधवार को रावण से की जिन्होंने युवाओं से कथित रूप से कहा था कि उनकी पसंद की लड़की अगर उनका प्रस्ताव ठुकरा भी देती तो भी वह उसका 'अपहरण' कर लेते। घाटकोपर विधायक अपनी टिप्पणी को लेकर खेद जता चुके हैं। उन्होंने उक्त टिप्पणी अपने घाटकोपर विधानसभा क्षेत्र में सोमवार की रात में आयोजित एक 'दही हांडी' कार्यक्रम में की थी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने घाटकोपर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास के बाहर पोस्टर लगाए हैं जिसमें कदम को रावण के तौर पर दिखाया गया है। राज ठाकरे नीत पार्टी ने पोस्टर में लिखा है कि विधायक बेटियों का अपहरण करेंगे। यदि वह या उनके लोग ऐसा करते हैं तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराइये और हमें बताइये। हम आपकी बेटियों की सुरक्षा में आपकी मदद करेंगे।'' राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि भाजपा का ''रावण'' जैसा चेहरा सामने आ गया है और उसके विधायक जब तक माफी नहीं मांगते उन्हें ''रावण कदम'' कहा जाएगा। उन्होंने कहा, ''खेद जताना और माफी मांगना अलग अलग चीजें हैं। राकांपा उनके खिलाफ प्रदर्शन और उन्हें ''रावण कदम'' कहना तब तक जारी रखेगी जब तक वह माफी नहीं मांगते। उनके माफी मांगने तक पूरे राज्य में प्रदर्शन किये जाएंगे।'' कदम एक वीडियो क्लिप में उक्त टिप्पणी करते हुए सुने गए थे। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी से छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने देर मंगलवार को कहा कि मैंने भीड़ में खड़े एक व्यक्ति की पंक्ति को केवल दोहराया था वह मेरी पंक्ति नहीं थी। क्लिप मात्र 40 सेकंड में वायरल हो गई। यद्यपि मैंने बाद में कहा था कि सभी घरों में माताएं, बहनें और बेटियां लक्ष्मी हैं ।

कांग्रेस ने साधा प्रधानमंत्री नरेंद मोदी पर निशाना, शेयर किया पुराना वीडियो

नई दिल्ली। कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में लगातार गिरावट और पेट्रोल-डीजल के दाम बढने को लेकर आज सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने वादों में विफल रहे हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी के भाषण का एक पुराना वीडियो शेयर करते हुए कहा, ''रुपया 72 पर पहुंच गया। पेट्रोल-डीजल की कीमत अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। मोदी जी ने जो बातें की थीं उसमें वह विफल रहे।'' दरअसल, शुरुआती कारोबार में सुधार के लक्षण दिखाने के बाद बुधवार को भी रुपये में जल्द ही गिरावट देखी गई। डॉलर के मुकाबले यह 21 पैसे टूटकर 71.79 पर पहुंच गया। मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 37 पैसे टूटकर 71.58 पर बंद हुआ था।

पुंछ में सेना के जवान की हत्या के सिलसिले में एक महिला सहित दो गिरफ्तार

जम्मू । जम्मू के एक गांव में जमीन को लेकर हाथापाई के दौरान सेना के एक जवान के मारे जाने के करीब चार माह बाद पुलिस ने इस मामले में एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मोहम्मद अलयास और जैनब बी को कल मेंढर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सेना की ''डिफेन्स सिवस कॉर्प्स'' (डीएससी) यूनिट का जवान मोहम्मद मतलूब पांच मई को छजीला गांव में हाथापाई के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गया था। मतलूब ने 19 मई को अस्पताल में दम तोड़ दिया था। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पुंछ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव पांडेय ने फरार आरोपियों को पकडने के लिए सहायक पुलिस अधीक्षक अनवार-उल हक की निगरानी में एक विशेष जांच दल गठित किया था। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

मलयालम उपन्यास 'मीशा' होगी प्रकाशित, उच्चतम न्यायालय ने बैन लगाने से किया इंकार

नेशनल डेस्क।

उच्चतम न्यायालय ने लेखक एस हरीश के मलयालम उपन्यास 'मीशा' को प्रतिबंधित करने से बुधवार को इन्कार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता एन राधाकृष्णन की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि किसी लेखक की कल्पना पर रोक नहीं लगायी जा सकती। लेखक की कल्पना को संरक्षण मिलना चाहिए। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि संविधान में साफ स्पष्ट है कि किसी भी शख्स को अपने विचारों को रखने का अधिकार है। एक लेखक अपने चारों तरफ के वातावरण को देखता है, उसे अनुभव करता है और अपनी कल्पना को शब्दों के जरिये बयां करता है। आप किसी शख्स का विरोध तो कर सकते हैं लेकिन आपको उसे गलत ठहराने के लिए तार्किक आधार पर अपनी बात कहनी होगी। उल्लेखनीय है कि मलयालम लेखक एस हरीश के उपन्यास पर कुछ हिंदूवादी संगठनों को ऐतराज था। उपन्यास मीशा के कुछ अंश सोशल मीडिया में वायरल हो गए थे। जुलाई के दौरान 'मीशा' के तीन अध्याय मलयालम साप्ताहिक मातृभूमि में प्रकाशित हुए थे। लेकिन इसके बाद एस हरीश को हिंदूवादी संगठनों की धमकियां मिलने लगीं और उन्होंने 21 जुलाई को अपना उपन्यास वापस ले लिया। हालांकि इस फैसले के बाद केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन सहित राज्य के कई जाने-माने लेखक उनके समर्थन में आए थे।

दक्षिण कश्मीर में ट्रेन सेवाएं फिर से बहाल

श्रीनगर ।

दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा कारणों से मंगलवार को स्थगित की गयीं ट्रेन सेवाएं बुधवार को फिर से बहाल कर दी गयीं। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों के खिलाफ सोमवार को व्यापक तलाश अभियान को बाधित करने का प्रयास कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के सुरक्षा बलों को गोलियां चलानी पड़ी थीं जिसमें एक युवक की मौत हो गयी थी। इसके बाद सुरक्षा कारणों से ट्रेन सेवाएं बंद कर दी गयी थीं। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज यहां बताया कि पुलिस की ओर से मिले ताजे मशविरे के बाद दक्षिण कश्मीर में सभी ट्रेनों का परिचालन बहाल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मध्य कश्मीर के बडगाम.श्रीनगर से दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग-काजीगुंड तथा जम्मू क्षेत्र के बनिहाल के बीच सभी ट्रेनें निर्धारित समय पर चलेगी। इस मार्ग पर भारी भीड़ होती है क्योंकि जम्मू की ओर यात्रा करने वाले अधिकांश लोग बनिहाल तक जाना पसंद करते हैं। उत्तरी कश्मीर में पूर्व निर्धारित समय के हिसाब से सभी ट्रेनें चल रही हैं।

पंचायती चुनावों में भाग नहीं लेगी नैशनल कान्फ्रेंस

श्रीनगर।

नैशनल कान्फ्रेंस ने एक बड़ा फैसला लेते हुये अक्तूबर से होने वाले निकाय एवं पंचायती चुनावों में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इस बारे में पार्टी के प्रधान और श्रीनगर से सांसद डा फारूक अब्दुल्ला ने स्वयं पत्रकारों को बताया। डा अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर में चुनाव के लिए माहौल उचित नहीं है। पार्टी चुनावों में भाग नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की कोर ग्रुप की बैठक में यह फैसला किया गया है कि पार्टी चुनावों से परे रहेगी। नैकां का कोई उम्मीदवार चुनाव में खड़ा नहीं होगा। गौरतलब है कि कश्मीर घाटी में आतंकियों और अलगाववादियों ने चुनावों के बहिष्कार का आहवान किया है। 2016 में संसदीय चुनावों में भी कश्मीर में काफी हिंसा देखने को मिली थी।

तरुण विजय के ट्वीट ने मचाया हड़कंप, प्रधानमंत्री का किया विरोध

नेशनल डेस्क।

मंगलवार रात सोशल मीडिया पर उस हड़कंप मच गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद तरुण विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ ट्वीट किए। यही नहीं उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के पक्ष में भी ट्वीट किए। मामला सामने आने के बाद सभी ट्वीट्स डिलीट कर दिये गये। विजय ने अकाउंट हैक होने का दावा किया और सफाई दी कि वह एवं उनका परिवार श्री मोदी एवं भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के लिए प्राण न्यौछावर कर देंगे। विजय ने अपने ट्वीट में उनके प्रति विश्वास प्रकट करने वाले और गलत ट्वीटों पर विश्वास नहीं करने के लिए अपने शुभचिंतकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने सफाई दी कि उनके हैंडल से गलत ट्वीट तब हुए जब वह मकान बदल रहे थे। उनके पासवर्ड का दुरुपयोग किया गया और वह इसके लिए पुलिस में शिकायत दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने पासवर्ड बदलने की भी जानकारी दी। एक टेलीविजन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार विजय ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष शाह के लिए ही जीएंगे और मरेंगे। वे हम जैसे छोटे कार्यकर्ताओं के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हैं। मैं और मेरा परिवार भाजपा के लिए दिन रात काम करेगा। मेरा परिवार भाजपा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर देगा। यह 2019 के पहले की साजिश है। कृपया मुझे भाजपा विरोधी तत्वों से बचाइये। इससे पहले विजय के ट्विटर हैंडल से पीएम मोदी के खिलाफ और कांग्रेस अध्यक्ष के पक्ष में लगातार कई ट्वीट किए गए। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने ये ट्वीट मिटा दिए। सबसे पहले राहुल गांधी की कैलाश मानसरोवर यात्रा के पक्ष में ट्वीट किया गया जिसमें लिखा गया कि जो लोग कैलाश यात्रा का मजाक उड़ा रहे हैं, ऐसा एक ड्रूक्षहदू को नहीं करना चाहिए। ये जो भी है राहुल और शिव के बीच में है, शिव से बड़ा कुछ भी नहीं है। मैं खुद तीन बार कैलाश जा चुका हूं। इसके बाद दूसरा ट्वीट प्रधानमंत्री को लेकर आया जिसमें कहा गया कि हैलो, तुम इसलिए वहां पर नहीं हो क्योंकि तुम लोकप्रिय हो। तुम इसलिए वहां हो, क्योंकि लोग तुम्हारे पीछे हैं। अपने घमंड को दूर करो, हे भगवान, तुम्हें ऐसा लगता है कि तुम लोकप्रिय हो। इन ट्वीटस के बाद विजय को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा जिसके बाद उन्होंने ट्वीट किया, वह अभी मॉर्निंग वॉक पर हैं, जो व्यक्ति उनका ट्विटर अकाउंट हैंडल करता था, उसे उन्होंने हटा दिया है। विजय के इन ट्वीटस के बाद कांग्रेस नेताओं ने भी उनपर टिप्पणियां कीं। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया कि तरुण विजय जी, हौसला अपना बुलंद कर लीजिये। निर्भय होकर सच्चाई के साथ चलीये, राहुल गांधी जी की कैलाश यात्रा के लिए आपने जो कुछ लिखा, अपने हुक्मरानों के डर से उसे मिटाइये नहीं, सत्यम, शिवम सुंदरम, सत्य ही शिव है। महादेव आपको सत्य का रास्ता दिखाते रहेंगे व असत्य का नाश होगा।

गुटखा घोटाले में बड़ी कार्रवाई, सीबीआई ने तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री व के घर मारे छापे

नेशनल डेस्क। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री और पुलिस महानिदेशक के आवासों समेत राज्य में करीब 40 स्थानों पर सीबीआई ने गुटखा घोटाला के संबंध में बुधवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि पूरे राज्य में तलाशियां जारी हैं। लेकिन अधिकारी ने इस बात की पुष्टि नहीं की गई कि किन स्थानों पर छापेमारी हुई है। उनका कहना है कि इससे अभियान प्रभावित हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री सी विजयभास्कर और डीजीपी टीके राजेंद्रन के आवासों के साथ ही एक पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा अन्य के घरों पर तलाशी ली जा रही है। इस घोटाले का खुलासा आठ जुलाई, 2017 को उस समय हुआ था जब आयकर विभाग के अधिकारियों ने तमिलनाडु में पान मसाला और गुटखा उत्पादकों के गोदामों, कार्यालयों और आवासों पर छापे मारे थे। गुटखा उत्पादकों पर 250 करोड़ रुपये की आयकर चोरी के आरोप हैं। तमिलनाडु सरकार ने 2013 में गुटखा और पान मसाला समेत चबाने वाले तंबाकू के विभिन्न प्रकारों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर रोक लगा दी थी। छापेमारी के दौरान विभाग ने एक डायरी जब्त की थी जिसमें उन लोगों के नाम लिखे हुए थे जिन्हें गुटखा उत्पादकों ने कथित तौर पर रिश्वत दी थी। द्रमुक के एक नेता की याचिका पर इस साल अप्रैल में मद्रास उच्च न्यायालय ने सीबीआई को यह मामला सौंप दिया था।

संपादकीय

नाकाम साबित होता रेरा

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट कंपनी आम्रपाली समूह को एक और बार कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की उसकी तमाम आवासीय परियोजनाओं में घोटाला हुआ है और इसके दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। यह पहली बार नहीं जब सुप्रीम कोर्ट ने इस समूह के निदेशकों को फटकारा हो। वह एक अर्से से उनके खिलाफ सख्त रवैया अपनाए हुए है, लेकिन इसके बाद भी यह कहना कठिन है कि अपने घर की बाट जोहते लोगों को राहत कब मिलेगी? अब जब सुप्रीम कोर्ट इस नतीजे पर पहुंच चुका है कि आम्रपाली समूह के कर्ता-धर्ता भरोसे के काबिल नहीं तब फिर बेहतर यह होगा कि वह फैसला सुनाने में और देर न करे। यह फैसला ऐसा होना चाहिए जो रियल एस्टेट के ऐसे ही अन्य कारोबारियों को सबक सिखाने वाला साबित हो। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि लोगों से पैसा लेकर अपनी आवासीय परियोजनाएं अधूरी छोड़कर हाथ खड़े करने वाली रियल एस्टेट कंपनियां बढ़ती ही चली जा रही हैं। इनमें से कई के मामलों की सुनवाई तो सुप्रीम कोर्ट में ही चल रही है। इन मामलों की सुनवाई तारीख पर तारीख का उदाहरण नहीं बननी चाहिए, क्योंकि गैर जिम्मेदार रियल एस्टेट कंपनियों की मनमानी के शिकार लोग धैर्य खो रहे हैं। वे जिन उम्मीदों के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं वे यथाशीघ्र पूरी होनी चाहिए। समय पर अपनी परियोजनाए पूरी न करने वाली रियल एस्टेट कंपनियों में कई ऐसी हैं जो अपने-अपने फ्लैट, विला आदि का इंतजार कर रहे लोगों के साथ-साथ बैंकों के पैसे भी हड़प कर गई हैं। इन सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। 1माना यह गया था कि रेरा के नाम से चर्चित रियल एस्टेट संबंधी कानून के प्रभावी होने के बाद लोगों को अपने घर का सपना दिखाकर मनमानी करने वाली कंपनियों पर लगाम लगेगी, लेकिन यह निराशाजनक है कि ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। ऐसा लगता है कि रियल एस्टेट कंपनियों ने इस कानून से बच निकलने के छिद्र तलाश लिए हैं। अगर ऐसा नहीं हो तो फिर किसी को इस सवाल का जवाब देना चाहिए कि देश भर में अनगिनत आवासीय परियोजनाएं देरी का शिकार क्यों हैं? एक आंकड़े के अनुसार दिल्ली-एनसीआर, मुंबई समेत सात प्रमुख शहरों में पांच लाख से अधिक फ्लैट तय अवधि गुजर जाने के बाद भी पूरे नहीं हो पाए हैं। समस्या केवल यह नहीं कि तमाम आवासीय परियोजनाएं जरूरत से ज्यादा देरी का शिकार हैं, बल्कि यह भी है कि इनमें से कई के पूरे होने की सूरत ही नहीं नजर आ रही है। यह स्थिति यही बताती है कि रेरा उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। ऐसा क्यों है, इसकी पड़ताल केंद्र सरकार को भी करनी चाहिए और राज्य सरकारों को भी। यह ठीक नहीं कि संदिग्ध इरादों वाली रियल एस्टेट कंपनियां रेरा की अनदेखी करने में लगी हुई हैं और लोगों को मजबूरी में अदालतों का रुख करना पड़ रहा है। आए दिन ऐसे प्रसंग सामने आ रहे हैं जिनसे यह पता चलता है कि कैसे कुछ कंपनियां अपनी पुरानी परियोजनाओं को नया करार दे रही हैं या फिर बिना रजिस्ट्रेशन कराए ही लोगों से पैसा जुटा रही हैं।

जहां और भी हैं जकार्ता से आगे

दरअसल/ राजकुमार सिंह

जाहिर है, यह काम सरकार और समाज को मिलकर ही करना होगा। खेल जीवन लंबा नहीं होता। इसलिए उसे आकर्षक और सुरक्षित बनाने के लिए खिलाड़ियों को इनाम और रोजगार, दोनों ही मिलने चाहिए, पर राज्यों की खेल नीतियों में जबरदस्त विषमता और विरोधाभास है। मसलन हरियाणा में स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़ रुपये मिलते हैं तो हिमाचल में मात्र एक लाख रुपये। यही नहीं, 30 में से सिर्फ चार राज्यों में ही पदक विजेता को इनाम और नौकरी, दोनों मिलते हैं। ये तथ्य हमारे खेल तंत्र और खेल नीति को बेनकाब करने वाले हैं।

ऐसे वक्त जबकि हमारा राजनीतिक नेतृत्व कीचड़ उछाल प्रतिस्पर्धा में ही उलझा है, हमारे खिलाड़ियों ने जकार्ता एशियाड में देश का मान बढ़ा कर बता दिया है कि भारत के असली रत्न कौन हैं। यह सही है कि आबादी के लिहाज से दुनिया में दूसरे नंबर पर होने के बावजूद भारत 'एशियाड' में भी पदक तालिका में आठवें स्थान पर नजर आया, लेकिन मत भूलिए कि पदक आबादी के अनुपात में नहीं मिलते, वे तो खेल के मैदान में अपने जीवट और कौशल से जीतने पड़ते हैं। और जकार्ता एशियाड का सबसे उजला पहलू यही रहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने दिखा दिया कि जीवट में वे किसी से कम नहीं। हां, कौशल निखारने के लिए उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और सुविधाओं की दरकार अवश्य है। दरअसल जकार्ता एशियाड में 15 स्वर्ण पदकों समेत कुल 69 पदक जीत कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले भारत का 1951 के पहले ही एशियाड में 15 स्वर्ण पदक जीतना भी बताता है कि देश के नौनिहालों में प्रतिभा-क्षमता की कमी कभी नहीं रही। हां, उस प्रतिभा को कम उम्र में ही पहचान कर तराशते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्षमता में तबदील कर सकने वाला तंत्र हम आज तक विकसित नहीं कर पाये, वरना हमारे कई राज्यों से भी कम आबादी वाले देश अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं की पदक तालिका में हमसे ऊपर नजर नहीं आते। इसके बावजूद अगर हमारे खिलाड़ियों ने जकार्ता में यादगार प्रदर्शन करते हुए देश को रिकॉर्ड 69 पदक जितवाये हैं तो जश्न तो बनता है। 15 स्वर्ण पदक तो हमने पहले एशियाड में भी जीते थे, लेकिन यह पहली बार है जब 24 रजत भी जीते हैं। बेशक 2010 के एशियाड में भी भारत ने 65 पदक जीते थे, लेकिन जकार्ता की उपलब्धि 4 पदकों की वृद्धि से भी कहीं बड़ी है। इसलिए भी कि इंचियोन में हम दो स्वर्ण पदकों समेत महज 13 पदकों पर सिमट गये थे। और इसलिए भी कि जकार्ता में 16 साल के सौरभ से लेकर 60 साल के प्रणब बर्मन तक ने भारत की शान बढ़ायी। 15 साल का शार्दुल विहान भी पदक जीतने में पीछे कहां रहा। पदकों की संख्या का महत्व अपनी जगह है, लेकिन भविष्य की दृष्टि से उससे भी कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किस तरह की विषम पृष्ठभूमि से आये खिलाड़ियों ने किस तरह गैर परंपरागत खेलों में पदक जीते। जिस स्वप्ना बर्मन ने हेप्टाथलॉन में देश के लिए पहला स्वर्ण जीता, उसका मजदूर परिवार जिस गांव में रहता है, वहां जाने के लिए अब रातोंरात सड़क बनायी जा रही है, ताकि उसकी उपलब्धियों पर अपनी पीठ थपथपाते हुए हमारे राजनेता घर जाकर साथ फोटो खिंचवा सकें। याद रहे कि जकार्ता या उसके अलावा भी अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक जीत कर भारत की शान बढ़ाने वालों में विषम पृष्ठभूमि से आने वाली स्वप्ना अकेली नहीं है। 16 साल के निशानेबाज सौरभ के पास साल भर पहले तक अभ्यास के लिए अपनी पिस्तौल तक नहीं थी। नतीजतन पिता को कर्ज लेकर खरीदनी पड़ी। कहने का अर्थ यह भी कि जकार्ता में रिकॉर्ड संख्या में पदक हमारे खेल तंत्र की बदौलत नहीं, इसके बावजूद आये हैं। 60 साल से टेबल टेनिस एशियाई खेलों में शामिल है, पर जकार्ता में पहली बार भारत के हिस्से दो कांस्य पदक आ पाये। जकार्ता में पहली बार एशियाड में शामिल किये गये ब्रिज में भी भारत खाली हाथ नहीं लौटा। हमारे हिस्से एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक आये। कुश्ती में स्वर्ण जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी विनेश फोगाट के पदक की चमक अपनी जगह है, पर महिला बैडमिंटन में पी. वी. सिंधु के रजत और साइना नेहवाल के कांस्य पदक का महत्व भी कम नहीं। अमित पंघाल ने जिस तरह मुक्केबाजी की लाइटवेट श्रेणी में 49 कि.ग्रा. में स्वर्ण जीता, उसे कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है? तेजिंदर पाल तूर ने तो शॉटपुट में नया रिकॉर्ड बनाते हुए पदक जीता। कहने का अर्थ यह कि संख्या के अलावा भी हर पदक का अपना अलग महत्व है क्योंकि वह कहीं-न-कहीं उज्ज्वल भविष्य की आस भी जगाता है। कहना नहीं होगा कि अगर कबड्डी, कुश्ती और हॉकी सरीखे परंपरागत खेलों में भी हम आशातीत प्रदर्शन कर पाते तो न सिर्फ पदकों की संख्या बढ़ती, बल्कि पदक तालिका में भारत का नाम भी कुछ पायदान और चढ़ जाता। यह साधारण असफलता नहीं है कि एशियाई खेलों के पहले सभी सात स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष कबड्डी टीम को जकार्ता में कांस्य पर ही संतोष करना पड़ा और स्वर्ण पदक ईरान की टीम ले गयी, जिसका कोच एक भारतीय ही था। इसी तरह महिला कबड्डी में भी दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत को जकार्ता में रजत पर ही संतोष करना पड़ा। हॉकी में भी भारत की पुरुष और महिला टीमों का प्रदर्शन, पदक जीतने के बावजूद, निराशाजनक ही रहा। बेशक हार-जीत किसी भी खेल का हिस्सा हैं, लेकिन उनसे सबक तो सीखे ही जाने चाहिए। हार का सबक सुधार है तो जीत का सबक अपनी क्षमता-संभावनाओं को पहचान कर और बेहतर प्रदर्शन की तैयारी करना। जकार्ता में जिस तरह कम उम्र के खिलाड़ियों ने भी गैर परंपरागत खेलों में पदक जीते हैं, वह भारत की बेहतर क्षमता-संभावनाओं का उज्ज्वल संकेतक है। अगर सरकार खेल संघों को निहित स्वार्थी राजनेताओं-नौकरशाहों से मुक्त करा कर दूरगामी खेल नीति के तहत शहर ही नहीं, गांव के स्तर पर भी प्रतिभा तलाशने और फिर उन्हें निखारने का निष्पक्ष एवं विश्वसनीय तंत्र विकसित कर पाये तो उसके परिणाम 2020 के ओलंपिक में भी चौंकाने वाले निकल सकते हैं। जकार्ता में कुल जीते गये 69 पदकों में से 45 व्यक्तिगत स्पर्धाओं में आये हैं, और ज्यादातर पदक विजेता कम उम्र और ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं—ये तथ्य बहुत कुछ कहते हैं, जिसे समझने की जरूरत है। आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि जकार्ता में मिले पदकों में भी हरियाणा की हिस्सेदारी एक-तिहाई है। 69 में 19 पदक हरियाणवियों ने जीते हैं। बेशक इसका श्रेय सरकार से ज्यादा हरियाणवी समाज और उसकी खेल संस्कृति को जाता है, जिससे अन्य राज्यों को प्रेरणा लेनी चाहिए। कभी खेल के मैदान में पंजाब की तूती बोलती थी। जकार्ता एशियाड में भी खिलाड़ियों की संख्या के लिहाज से हरियाणा (77) के बाद पंजाब (56) दूसरे स्थान पर ही था, लेकिन व्यक्तिगत पदक अकेले तेजिंदर पाल तूर ही जीत पाये। कहना नहीं होगा कि न सिर्फ पंजाब, बल्कि उत्तर प्रदेश-बिहार सरीखे बड़े राज्यों को भी अपने यहां हरियाणा जैसी खेल संस्कृति विकसित करने की जरूरत है। जाहिर है, यह काम सरकार और समाज को मिलकर ही करना होगा। खेल जीवन लंबा नहीं होता। इसलिए उसे आकर्षक और सुरक्षित बनाने के लिए खिलाड़ियों को इनाम और रोजगार, दोनों ही मिलने चाहिए, पर राज्यों की खेल नीतियों में जबरदस्त विषमता और विरोधाभास है। मसलन हरियाणा में स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़ रुपये मिलते हैं तो हिमाचल में मात्र एक लाख रुपये। यही नहीं, 30 में से सिर्फ चार राज्यों में ही पदक विजेता को इनाम और नौकरी, दोनों मिलते हैं। ये तथ्य हमारे खेल तंत्र और खेल नीति को बेनकाब करने वाले हैं। जब तक यह दशा नहीं सुधरती, दिशा में बदलाव की आशा बहुत व्यावहारिक नहीं होगी। व्यक्तिगत प्रयासों को जब समाज और सरकार का समर्थन मिलेगा, तभी तो अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भारत पदक तालिका में पायदान-दर-पायदान चढ़ेगा।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

रुपये का अवमूल्यन और हमारी नीति

अजय शाह

अमेरिकी आर्थिक नीति अब बड़े घाटे और उच्च ब्याज दरों पर केंद्रित हो गई है। यही वजह है कि वैश्विक पूंजी अमेरिका की ओर स्थानांतरित हो रही है। इससे उभरते बाजारों में परिसंपत्ति कीमतों और विनिमय दर पर दबाव बन रहा है। हमें अर्थव्यवस्था से जुड़े इन वृहद तथ्यों को चिह्नित करना होगा और विनिमय दर में आ रही गिरावट को स्वीकार करना होगा। रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई के लिए 4 फीसदी का लक्ष्य तय किया है। उसने विनिमय दर के लिए कोई लक्ष्य तय नहीं किया है। अगर मुद्रा के बचाव का प्रयास किया गया तो हालात खराब हो जाएंगे। वर्ष 2013 में ऐसा हो चुका है। गत वर्ष के दौरान अमेरिकी आर्थिक नीति दो दिशाओं में जाती दिखी है। मौद्रिक नीति सामान्य हुई है। दरें अब शून्य के आसपास पहुंच गई हैं। बिना व्यय में कमी के दर कटौती ने घाटे की भरपाई का काम बढ़ा दिया है। अमेरिका में उच्च ब्याज दर के चलते वैश्विक पूंजी भी अमेरिका की ओर आकर्षित हुई है। जब वैश्विक निवेशक उभरते बाजारों से दूरी बना रहे हैं तो दो चीजें एक साथ घटित हो रही हैं। अधिकांश कटौती उन देशों और प्रतिभूतियों में होने की संभावना है जहां नकदीकरण बहुत अधिक है। कोरिया और भारत में नकदीकृत प्रतिभूतियां बिकवाली का दबाव महसूस कर पा रही हैं। इसके अतिरिक्त जिन देशों में राजनीतिक और आर्थिक नीति संस्थान भरोसे की कमी से जूझ रहे हैं, उन्हें भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2018 में अब तक कुछ उभरते बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिली। अर्जेंटीना में यह 52 फीसदी ऋणात्मक, तुर्की में यह 42 फीसदी ऋणात्मक, ब्राजील में 20 फीसदी ऋणात्मक, दक्षिण अफ्रीका में 16 फीसदी ऋणात्मक और भारत में 10 फीसदी ऋणात्मक है। भारत को विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को लेकर बहुत अधिक चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। मूल्य समायोजन तो बाजार आधारित अर्थव्यवस्था का मूल है। हमें बाजार से निकले नतीजों का मान रखना चाहिए। जब रुपये में गिरावट आती है तो भारतीय परिसंपत्तियां और निर्यात कहीं अधिक आकर्षक हो जाते हैं जबकि यह निर्यात और पूंजी के बहिर्गमन को रोकता है। भारत में हमारे भीतर प्राय: एक समाजवादी भावना होती है जो मूल्य नियंत्रण का प्रयास करती है। इसके नतीजे हमेशा बुरे होते हैं। वर्ष 2013 में कई वैश्विक झटके थे जिन्होंने उभरते बाजारों को प्रभावित किया। भारतीय अधिकारियों ने हस्तक्षेप के जरिये मुद्रा का बचाव करने का प्रयास किया। इसके लिए हरसंभव प्रयास किया गया। दीर्घकालिक सुधारों को वापस लिया गया और ब्याज दर में 400 आधार अंकों की बढ़ोतरी की गई। वर्ष 2018 में अब तक सरकारी प्राधिकार का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। आरबीआई ने रुपये के बचाव के लिए कुछ हद तक बिकवाली अवश्य की है। परंतु पूंजी नियंत्रण और सुधारों को पलटने जैसे एकदम विसंगतिपूर्ण कदम देखने को नहीं मिले हैं। एक समुचित संचार नीति के साथ इस रुख का पालन किए जाने की आवश्यकता है ताकि शब्दों और कदमों के बीच के अंतर को समाप्त किया जा सके। भारतीय मौद्रिक नीति व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव घटित हो चुका है। अब आरबीआई के पास एक लक्ष्य है। वर्ष 2013 में मुद्रा सुरक्षा करते हुए आरबीआई का कोई घोषित लक्ष्य नहीं था। उस वक्त बिना किसी उद्देश्य के मौद्रिक नीति की क्षमताओं का इस्तेमाल किया गया था। लक्ष्य की अस्पष्टता के कारण ही आरबीआई एक लक्ष्य से दूसरे लक्ष्य की ओर भटकता रहा और अक्सर संदेहास्पद लक्ष्यों को आगे बढ़ाता रहा। सन 2015 में इतिहास में पहली बार आरबीआई को एक लक्ष्य मिला। वह था खुदरा महंगाई को 4 फीसदी के दायरे में रखना। मुद्रास्फीति को 4 फीसदी के आसपास स्थिर रखने में इससे काफी मदद मिली। अभी तो शुरुआती दौर है। आरबीआई को यह सिलसिला दशकों तक जारी रखने की आवश्यकता है ताकि लोगों को यह भरोसा हो जाए कि महंगाई को भी काफी समय तक 4 फीसदी के आसपास स्थिर रखा जा सकता है। ठीक वैसे ही जैसे एक इन्फ्रा बॉन्ड के लिए 30 वर्ष की अवधि की जरूरत है या एक युवा को बुढ़ापे की योजना बनाने के लिए 70 वर्ष की उम्र की जरूरत। अगर आरबीआई मौद्रिक सुरक्षा विकसित करने के लिए नकदी का बचाव करता है तो उसे ब्याज दरों में इजाफा करना होगा। इससे पता चलेगा कि खुदरा महंगाई को 4 फीसदी के दायरे में रखना आरबीआई का लक्ष्य नहीं है। कथनी और करनी का भेद भी सामने आएगा। इससे मुद्रास्फीति को लक्ष्य बनाने से उपजा भरोसा भी डगमगाएगा। अर्थव्यवस्था में एक लंबी और कठिनाई भरी मंदी की शुरुआत 2011 में हुई (यह दिक्कतदेह जीडीपी डेटा में नहीं दिखती)। वर्ष 2017 के आखिर और 2018 के आरंभ में हमें सुधार का पहला संकेत ही नजर आया है। अगर मुद्रा के बचाव की कोशिश में ब्याज दर बढ़ाकर सुधार की इस प्रक्रिया को ठेस पहुंचाई गई तो यह ठीक नहीं होगा। अगर नीति निर्माताओं का लक्ष्य मुद्रा का तीव्र अवमूल्यन रोकना होता तो भी यह काम आत्मविश्वास से भरा नजर आकर किया जा सकता है। वैश्विक मुद्रा सटोरियों को जुटाने के लिए 2013 वाले कदम ही पर्याप्त हैं। मसलन आर्थिक सुधारों में पलटाव, रोज नया तरीका अपनाना, भय, पूंजी नियंत्रण आदि। इससे यह संदेश जाता कि रुपये की बिकवाली उचित है। अन्य उभरते बाजार, जहां बेहतर क्षमताएं हैं, वे ऐसा कुछ भी न करके रडार से बाहर रहे। वर्ष 2018 में रुपये में जो 10 फीसदी की गिरावट आई है उसके अपने जोखिम हैं। भविष्य में रुपये में और अधिक गिरावट भी आ सकती है। यह सच है कि घरेलू और विदेशी प्रतिभागी इसके लिए तैयार नहीं थे। मई 2014 में भारत एक लचीली विनिमय दर वाले देश से अत्यधिक प्रबंधित विनिमय दर वाले देश में बदल गया। मौद्रिक उतार-चढ़ाव में कमी आई। इससे समस्या उत्पन्न होने लगी। निजी व्यक्ति मुद्रा से जुड़ा जोखिम लेने लगे क्योंकि सरकार तो उसके जोखिम का प्रबंधन कर रही रही थी। मौद्रिक उतार-चढ़ाव ने इन लोगों को नुकसान पहुंचाया है। खासतौर पर इसलिए क्योंकि विनिमय दर व्यवस्था में ये बदलाव बिना पूर्व घोषणा के हुए। अल्पावधि में कुछ भी करना संभव नहीं है। निजी व्यक्तियों को जो नुकसान हुआ उसे झेलना होगा। परंतु इसमें गहरा संदेश निहित है। प्यास लगने पर कुआं नहीं खोदा जाता, पहले से तैयारी रखनी होती है। अच्छे समय में भले ही विनिमय दर का प्रबंधन आसान हो, तो वास्तविक बाजार विनिमय मूल्य हासिल करना बेहतर। तमाम लोगों को यह पता होना चाहिए कि रुपये की कीमत में उतार-चढ़ाव आएगा। इससे निजी तौर पर ऐसे कदम उठाए जाते हैं जो विनिमय दर के जोखिम को कम करते हैं।

विचार मंथन

मोटे हो रहे बच्चे और कठघरे में जंक फूड

क्षमा शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार ने दिल्ली के स्कूलों में हुए एक सर्वेक्षण की रिपोर्ट छापी थी। रिपोर्ट के निष्कर्ष चिंताजनक हैं। इसमें बताया गया है कि दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में 10 में से एक बच्चा मोटा है। वे उच्च रक्तचाप और खराब कोलेस्ट्रोल के शिकार हैं। इन सब बातों को मिला दिया जाए, तो ये बच्चे हृदय रोग, कैंसर, सांस संबंधी बीमारियों और मधुमेह के शिकार हो सकते हैं। इसके विपरीत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे मोटे नहीं हैं। इस सर्वेक्षण में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट ऐंड रिसर्च, और लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन ऐंड ट्रॉपीकल मेडिसिन्स ने भाग लिया था। इसमें अलग-अलग स्कूलों में पढ़ने वाले 1,329 बच्चों की जांच की गई, जिनमें 786 लड़के और 543 लड़कियां थीं। ये बच्चे दूसरी से लेकर 11वीं कक्षा तक के थे। निजी स्कूलों में अधिक वजन के बच्चे 13 प्रतिशत थे, जबकि उनमें से नौ प्रतिशत बच्चे मोटे (ओबेस) पाए गए, जबकि सरकारी स्कूलों में मात्र तीन प्रतिशत बच्चों का वजन अधिक पाया गया और उनमें से कोई भी मोटापे का शिकार नहीं था। इस सर्वे रिपोर्ट को तैयार करने और लिखने वाले लेखकों में प्रमुख मोनिका अरोड़ा का कहना है कि गरीब और अमीर बच्चों का अध्ययन करने की यह अपनी तरह की पहली रिपोर्ट है, जिसमें बच्चों की सेहत संबंधी चुनौतियों की वैज्ञानिक ढंग से जांच की गई है। मोनिका का यह भी कहना है कि इसका बड़ा कारण बच्चों का हानिकारक खान-पान है। इसके लिए स्कूलों में बच्चों की ठीक जीवनशैली को बढ़ावा देना होगा। बच्चे बड़े होकर अगर अस्वस्थ हुए, तो उनका जीवन तो प्रभावित होगा ही, देश पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा। इस रिपोर्ट पर गौर करें, तो यह जानना मुश्किल नहीं कि क्यों ऐसा है? आम तौर पर निजी स्कूलों में जो बच्चे पढ़ते हैं, उनके माता-पिता की आर्थिक स्थिति का अंदाजा इन स्कूलों की भारी-भरकम फीस से ही मिल जाता है। इनमें पढ़ने वाले बच्चे आम खान-पान के मुकाबले पैकेट बंद खाने की चीजें खाना पसंद करते हैं। बच्चों के बीच इस तरह का खान-पान स्टेटस सिंबल की तरह भी है। फिर ये स्कूल बसों या कारों में या बाइक्स पर आते हैं। वे साइकिल का इस्तेमाल नहीं करते। इसके अलावा, बहुत से स्कूलों में बच्चों के खेलने-कूदने के लिए बड़े मैदान भी नहीं हैं। जब से उनके हाथों में कंप्यूटर व स्मार्टफोन आए हैं, वे बैठे-बैठे इन्हीं पर कुछ न कुछ देखते रहते हैं, खेलते रहते हैं।

पहले टीवी पर इसका दोष मढ़ा जाता था कि बच्चे टीवी देखते रहते हैं और कुछ न कुछ खाते रहते हैं। साफ है, एक ओर बच्चों की शारीरिक गतिविधियां ज्यादा नहीं हैं, वहीं जंक फूड के इस्तेमाल से जितनी कैलोरी वे प्रतिदिन खाते हैं, उतनी खेल-कूद तथा अन्य शारीरिक व्यायाम के अभाव के कारण खर्च नहीं कर पाते। यही कारण है कि उनका मोटापा बढ़ता जाता है।

निजी स्कूलों के उलट सरकारी स्कूलों में आम तौर पर वे बच्चे पढ़ते हैं, जिनके माता-पिता की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। यदि इनके माता-पिता से पूछिए, तो वे भी कहते हैं कि यदि उनके पास पैसे और साधन हों, तो वे भी अपने बच्चों को इन नामी निजी स्कूलों में पढ़ाएं, क्योंकि यह आम धारणा है कि इन्हीं स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जीवन में भारी सफलता पाते हैं, और मोटा पैसा कमाते हैं। अरसे से तमाम स्वास्थ्य संगठन और एनजीओ इस बात की ओर इशारा करते रहे हैं कि बच्चों को जैसे भी हो, हाई कैलोरी फूड से अलग किया जाए। इसके लिए कई बार प्रस्ताव किए गए हैं कि स्कूलों की कैंटीन में इनका मिलना बंद हो जाए। बहुत सी राज्य सरकारों ने इस ओर ध्यान दिया है। बहुत से स्कूलों में भी इस नियम का पालन किया है। मगर जरूरत है कि माता-पिता और स्कूल, दोनों तरफ से बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए बच्चों को उस भोजन को न दिया जाए, जो उनके लिए हानिकारक है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

संक्षिप्त

हेड कांस्टेबल करंट से झुलसा

पट्टी (प्रतापगढ़), करंट से हेड कांस्टेबल उस समय झुलस गया जब वह दो भाइयों के बीच हुए विवाद की सूचना पर मौके पर गया था। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। कंधई थाना क्षेत्र के दरछुट गांव में सगे भाई रामदीन गुप्ता और राम स्वारथ गुप्ता के बीच मंगलवार को जल निकासी को लेकर विवाद था। इसको लेकर दोनों भाई आपस में मारपीट कर लिए थे। मंगलवार सुबह लगभग 11 बजे सूचना पर पहुंची डायल हंड्रेड की गाड़ी के हेड कांस्टेबल राजेंद्र उपाध्याय मौके पर गए। वहां पर लगे टीन शेड में 11000 लाइन का करंट उतर रहा था। इसी बीच राजेंद्र उपाध्याय ने पास में लगे टीनशेड पर हाथ रख दिया, जिससे वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गए। साथी को आनन फानन में उसी डायल हंड्रेड गाड़ी से अन्य सिपाही इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर भागे। यहां पर स्थित गंभीर बनी हुई है।

विषैले जंतु के काटने से महिला की मौत

घोरावल (सोनभद्र), क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर विषैले जंतुओं के काटने से मंगलवार को एक महिला की मौत हो गई और दो अचेत हो गईं। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बसौली गांव निवासी शीला (30) को विषैले जंतु ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया गया कि घर में कहीं रस्सी रखी थी उसे दीवार में गड़े खूटे पर टांगने के लिए उठाई उसी दौरान किसी विषैले जंतु ने हाथ में काट लिया। इसी तरह सोतिल गांव निवासी पूजा (18) तथा औराही गांव निवासी रोजिया (32) को विषैले जंतु ने काट लिया। दोनों का उपचार चल रहा है।

जमीनी विवाद में मां-बेटी से मारपीट

मऊ, दक्षिणटोला थानाक्षेत्र के बैजापुर में पड़ोसी से जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हुई। इसमें लाठी-डंडे और खुरपे से हमला कर मां-बेटी को घायल कर दिया गया। प्रमिला देवी पत्नी निन्हक साहनी 40 वर्ष निवासी बैजापुर थाना दक्षिणटोला का विवाद अपने पड़ोसी से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था था। मंगलवार को बकरी बगीचे में घुसने को लेकर दोनों पड़ोसियों ने महिला और उसकी बेटी को लाठी और खुरपा से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला की बेटी ने डायल 100 पर फोन कर सूचित किया। पुलिस ने घायलों का चिकित्सकीय मुआयना कराकर मुकदमा दर्ज किया है।

छेड़छाड़ का आरोपित पिता गिरफ्तार

महराजगंज, थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने थाना प्रभारी को तहरीर देकर पति पर अपनी नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपित पिता के विरुद्ध छेड़छाड़ सहित पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी कर ली है। तहरीर में पीड़ित किशोरी की मां ने कहा है कि उसके पति, पुत्री को क्षय रोग का इलाज कराने के लिए सोमवार को गोरखपुर ले गए थें। वापस लौटते वक्त निचलौल से घर जाते रास्ते में पड़ने वाले जंगल में ले जाकर अपनी ही पुत्री के साथ छेड़छाड़ का प्रयास करने लगे, किशोरी के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे चरवाहों के हस्तक्षेप से किशोरी की इज्जत बची। पुलिस क्षेत्राधिकारी रणविजय च्सह ने बताया कि आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वाहन के धक्के से राजमिस्त्री की मौत

कासिमाबाद (गाजीपुर), स्थानीय थाना क्षेत्र के बड़ौरा कताई मिल के पास सोमवार की रात वाहन के धक्के से शिवशंकर राजभर (40) की मौत हो गई। इसकी जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दी। कासिमाबाद थाना क्षेत्र के नकटू महुवारी गांव निवासी शिवशंकर राजभर मऊ में रहकर राजमिस्त्री का काम करते थे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर वह साइकिल से घर आ रहे थे। वे जैसे ही बड़ौरा कताई मिल के पास पहुंचे तो अज्ञात वाहन के धक्के से गंभीर रुप से घायल हो गए। आसपास के लोग शिवशंकर को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

आपदा पीड़ितों को विधायक ने सौंपे चेक

फैजाबाद, संपूर्ण समाधान दिवस में सदर तहसील में वेदप्रकाश गुप्त एवं बीकापुर विधायक शोभा सिंह ने पीड़ितों की तरफ मदद का हाथ बढ़ाते हुए चेक दिया। अयोध्या विधायक ने पूराबाजार ब्लाक की अलावलपुर निवासी सीमादेवी पत्नी रामबहादुर वर्मा को किसान दुर्घटना बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये का चेक दिया। सोहावल तहसील में बीकापुर विधायक ने आपदा पीड़ित 30 लोगों को 1.10 लाख रुपये का चेक वितरित किया। सभी आपदा पीड़ित सोहावल तहसील के हैं। चेक वितरण में सोहावल तहसील में बीकापुर विधायक के अलावा एडीएम वित्त एवं राजस्व मदनचंद्र दुबे, डा. अमित सिंह, सूर्यप्रकाश श्रीवास्तव, निजामुद्दीन, सोनू सिंह, सोनू पांडेय आदि मौजूद रहे।

बंदर ने ३ को किया घायल

गोंडा, एक हफ्ते से आतंक फैलाए बंदर ने गत सोमवार की सुबह तीन लोगों को काटकर घायल कर दिया। इसमें एक की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इटियाथोक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चुरिहारपुर गजाधर में बंदर ने छेदी, जितेंद्र व शोभाराम पर हमला किया। तीनों लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटियाथोक ले जाया गया। चिकित्सकों ने शोभाराम की हालत गंभीर देख रेफर कर दिया। उसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। गांव निवासी अशोक कुमार ने बताया कि एक हफ्ते में बंदर ने करीब आधा दर्जन लोगों को काटकर जख्मी कर दिया है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने बंदर को पकड़ लिया है। वन दरोगा हेमंत मणि ने बताया कि टीम में राकेश तिवारी, विकास शुक्ला व जगराम शामिल रहे। बंदर को कुआनो जंगल में छोड़ा जाएगा।

पुराने कर्ज का अब भी ५ लाख करोड़ ब्याज भर रहा देश–हरिवंश

वाराणसी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि साल 2014 से पहले विदेश से लिए गए कर्ज का देश अब भी पांच लाख करोड़ रुपए ब्याज भर रहा है। उस समय देश पर सत्तर लाख करोड़ का कर्ज था जो अब काफी घट गया है। ऐसा मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते हो सका है। उन्होंने बताया कि 2014 में देश की कुल आय महज

12 लाख करोड़ और खर्च 18 लाख करोड़ रुपए थे। ऐसे में सरकार छह लाख करोड़ रुपए घाटे में थी। हरिवंश मंगलवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में 'भारतीय अर्थव्यवस्था के समसामयिक मुद्दे' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दे रहे थे। बीएचयू में अर्थशास्त्र के विद्यार्थी रहे हरिवंश ने हाल के भी आर्थिक आंकड़ों को भी गिनाया। उन्होंने बताया कि फिलहाल केंद्र सरकार का 24.42 लाख करोड़ खर्च रहा है। हालांकि आमदमी अब बढ़ कर 18.17 लाख करोड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आमदनी एवं खर्च के अनुपात को कम किया है। इससे बजट का घाटा भी कम हुआ है। हरिवंश ने कहा कि राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए संसाधनों के लिए 'कर' का आधार विस्तृत किया जाना चाहिए। साथ ही कालाधन के खिलाफ नीति बनानी होगी। भले इसका परिणाम राजनीतिक रूप से हानिकारक हो। उन्होंने जीएसटी को आर्थिक एकीकरण का महत्वपूर्ण साधन बताया। कहा यह प्रणाली पूरे देश में एक समान कर की व्यवस्था करती है। इसकी तुलना उन्होंने तत्कालीन मौर्य साम्राज्य के समय देश के एकीकरण से की। कहा कि अर्थशास्त्रियों को चाहिए कि आम लोगों को सहज भाषा में अर्थव्यवस्था की जटिलताओ को समझाएं। राज्यसभा के उपसभापति ने करीब डेढ़ घंटे के व्याख्यान में पत्रकार व शिक्षक की तरह विद्यार्थियों को बेहतर अर्थशास्त्री बनने के टिप्स दिए। कहा कि आज ऐसा अर्थशास्त्री चाहिए जो आम लोगों को भी सरल भाषा में टैक्स या आर्थिक स्थिति समझा सके। जटिलता से भरी समझ न तो बेहतर शिक्षक बना सकती है और न ही विद्यार्थी। हरिवंश ने बताया कि आधार कार्ड से सरकार ने 90 हजार करोड़ रुपए बचाए हैं, जो गलत हाथों में जा रहे थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. राकेश भटनागर व संचालन डा. अनूप मिश्र ने किया।

गांव में तीन मौतों के मातम पर सियासत से नहीं चूके नेता

कुशीनगर, बिजली गिरने से तीन जानें चली गईं। छह महिलाएं भी झुलस गईं। इससे पूरा गांव मातम में रहा। ऐसे में सांत्वना देने के लिए, जनप्रतिनिधियों का पहुंचना भी लाजिमी था, लेकिन सियासत करना और नेताओं का गांव में ही एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करना कतई वाजिब नहीं कहा जा सकता। कुशीनगर जिले के हाटा कोतवाली के गांव मुंडेरा उपाध्याय में बिजली गिरने से हुए इस हादसे के बाद कुछ यही हुआ। पूर्व राज्यमंत्री राधेश्याम सिंह गांव में पहुंचे और पीड़ित परिवारों के दर्द पर मरहम लगाया, उनकी मदद की बात कही। उसके बाद विधायक पवन केडिया भी पहुंचे और उन्होंने भी मदद की बात कही। इसी दौरान पूर्व राज्यमंत्री ने विधायक द्वारा शासन से मिलने वाली ४ लाख रुपये की बात पर यह पूछना ही सियासत गरम करने

का अवसर दे गया कि यह राशि ५ लाख रुपये क्यों नहीं की जा रही। इसके बाद दोनों माननीयों के समर्थक आमने-सामने हो गए। अपशब्दों का बौछार हो चला। इसके बाद सियासी रंग ऐसे चढ़ा कि पीड़ित परिवारों की दर्द की कराह दब कर रह गई। नारेबाजी और सियासी पैंतरेबाजी देख संवेदना भी मर सी गई। अवसर था दर्द पर मरहम लगाने का, लेकिन सियासत ने पीड़ितों का दर्द और बढ़ा दिया। पीड़ित परिवारों की झोली में उनका दर्द बस सिसकता रह गया। जिस गांव में मातम छाया था, उस पर पूरी तरह से सियासी रंग चढ़ गया। इस वाकया ने कई सवाल खड़े किए। क्या संवेदना पर भारी है सियासत। क्या दर्द की कराह की आह भी नहीं दिखाई। मदद की जगह खुद भिड़ने का मायने क्या था। बहरहाल इन सवालों का जवाब पता नहीं क्या होगा और कौन देगा यह तो नहीं कहा जा सकता पर यह तो सच है कि नेताओं में दर्द, संवेदना के बहाने सियासत करना कहीं न कहीं मरी हुई संवेदनाओं को दर्शाती है।

तहसील परिसर में नवनिर्मित इज्जतघर का किया लोकार्पण

कौशांबी, सांसद विनोद सोनकर और विधायक लाल बहादुर ने मंझनपुर और सिराथू तहसील परिसर में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के सौजन्य से साढ़े ६-६

लाख से बने दो सार्वजनिक शौचालय (इज्जत घर) का लोकार्पण किया। इस दौरान सांसद ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि देश स्वच्छ रहे तो स्वस्थ रहेगा। इसलिए अभियान चलाकर हर गांव में घर-घर शैचालय का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन मेरे संसदीय क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय नहीं था इसलिए मैने प्रयास किया और लोकसभा के सभी तहसील परिसरों में शौचालय निर्माण किया गया है। केन्द्र की चार वर्ष की सरकार ने पूरी इमानदारी से जनहितकारी योजनाएं लागू कीं। चाहे वह उज्वला योजना के अन्तर्गत गैस कनेक्शन हो, शौचालय हो, आवास हो। बहुत जल्द ही जनपद मुख्यालय में प्रधान डाकघर भी अपनी नई बिल्डिंग में काम करने लगेगा। तब रेल आरक्षण केन्द्र की शिकायत भी समाप्त हो जायेगी। उन्होंने बताया कि जनपद न्यायालय में भी सांसद निधि से सार्वजनिक शौचालय का निर्माण प्रगति पर है। जल्द ही उसका भी लोकार्पण होगा। इसके बाद सांसद विनोद सोनकर नें उपस्थित समस्त लोगों को कुपोषण और स्वच्छता की शपथ भी दिलायी। लोकार्पण कार्यक्रम में अमरनाथ मौर्या, संतोष सिंह पटेल, प्रेमचन्द चैधरी, भुपेन्द्र सिंह, शान्ताराम पांडेय, राकेश पाल, दिनेश पांडेय, रानू विश्वकर्मा, गुलाब कुशवाहा, जितेन्द्र सोनकर, अभय विश्वकर्मा, विनय कुमार सिंह, वारिष्ठ विक्रय प्रबन्धक हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रवि यादव, संजय सोनकर, मंजर अब्बास, मीडिया प्रभारी राजेंद्र पांडेय आदि थे।

तेज बारिश में ढहे दर्जनों मकान, महिला की मौत

सुलतानपुर, दो दिनों से हो रही तेज बरसात के चलते दर्जनों मकान जमींदोज हो गए। जिसके मलबे के नीचे दबकर एक महिला की मौत हो गई व एक किशोरी गंभीर रूप से जख्मी है। मलबे में दब कर एक मवेशी ने भी दम तोड़ दिया। हलियापुर थाना क्षेत्र के कांपा गांव में तेज बारिश के चलते मकान ढह गया। जिसके नीचे दबकर कमला देवी (42) व पुत्री सावित्री देवी दब गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मलबे को हटाया और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर भागे। जहां चिकित्सकों ने कमला को मृत घोषित कर दिया। जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के सिसौडा निवासी भानमती की पशुशाला रात गिर गई। मलबे के नीचे दबने से एक मवेशी की मौत हो गई। वहीं एक जख्मी हो गया। मंगलवार की भोर करतोरवा बिसुनदासपुर निवासी अशोक यादव की कच्ची दीवार गिर गई। इसमें उनका हजारों का नुकसान हो गया। नगईपुर निवासी शमशेर बहादुर की सरिया गिरने से एक भैंस जख्मी हो गई। हरिहरपुर निवासी चम्पा सिंह पत्नी स्व. राम किशोर का घर भी ढह गसा। सोनूपारा गांव के लल्लन यादव व जगराम मौर्य का कच्चा मकान बरसात की वजह से भरभरा कर गिर पड़ा। हरिहर निवासी संजय सिंह व तमोलीपुर निवासी उदय चन्द्र तिवारी का कच्चा मकान भी गिर गया। इसी तरी अमदेवा में भी तीन कच्चे मकान ढहगए। बल्दीराय थाना क्षेत्र के चक्कारी भीट गांव मे तेज बारिश के कारण 17 घर ढह गए। जिसमें मुनाफ, जमालुद्दीन, फरीद, सोनू, अमानतुल्ला, वकील अहमद, नसीम, अब्दुल रऊफ, गुड्डू, वारिस अली, फारूक बरकत उल्ला, शकील अहमद, बिन्द्रा प्रसाद, राकेश कुमार, अब्दुल वहीद, सरवर अली, के आवास शामिल हैं। इसी तरह ग्रामसभा मोहम्मदपुर काजी के निसासिन गांव में मोहम्मद नदीम, समसीर अमहद, इब्राहीमपुर मजरे हेमनापुर राम दयाल कोरी का भी मकान तेज वारिश के कारण गिरा। घरों के ढहने से लाखों के नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

अनुसूचित जाति के हित में कार्य कर रही भाजपा–डा.लालजी

देवरिया, भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन जिला पंचायत परिसर स्थित संसदीय कार्यालय पर हुई। मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के चेयरमैन डा.लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि अनुसूचित जाति के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार सराहनीय काम कर रही है। आजादी के बाद इस जाति के लोगों को दलों ने केवल वोट बैंक के रूप में प्रयोग किया, लेकिन भाजपा अनुसूचित जाति के हित में कार्य कर रही है। पं.दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना, स्टैंडअप इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना के माध्यम से अनुसूचित वर्ग का विकास करने में लगी है। हम सभी को भी भाजपा के साथ मजबूती से खड़ा होकर मोदी जी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाना है। भाजपा अनुसूचित जाति जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामधनी गोंड ने कहा कि सपा ने किसी अनुसूचित जाति के व्यक्ति को आगे नहीं बढ़ने दिया। आज अनुसूचित वर्ग के हितैषी होने का नाटक कर रही है। कांग्रेस भी केवल अनुसूचित वर्ग के साथ छल करती रही है। उनके एजेंडे में कभी यह वर्ग नहीं रहा। केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा बेचन राम ने कहा कि भाजपा ने हमेशा अनुसूचित वर्ग को आगे ले जाने का काम किया है। सरकार व संगठन में अधिक संख्या में भागीदारी देकर भाजपा ने अनुसूचित वर्ग को सम्मान दिया है। हमारा फर्ज है कि हम उस सम्मान का कर्ज चुकता करें। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उमाशंकर सोनकर व संचालन छेदी प्रसाद ने किया। इस दौरान विजय कुमार दुबे, भूपेंद्र सिंह, कृष्णानाथ राय, संजय राव, अजय दुबे, शशि प्रकाश मिश्र, अंबिकेश पांडेय, भोला सोनकर, रामाशीष मौर्या, शीतल प्रसाद, अमित विश्वकर्मा, अजय गौतम, अजित भारती, बुद्धिसेन प्रसाद, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

डंपर, क्रेन पानी में डूबे

चंदौली, जिस बात की आशंका थी वह सच साबित हुई। मंगलवार को दूसरे ही दिन मैदानी इलाकों में बाढ़ का कहर लोगों के सिर चढ़कर बोला। पहाड़ी इलाकों से जल प्रवाह तूफान की तरह चला तो कर्मशाना नदी किनारे से जान बचाकर लोगों को भागना पड़ा। उनके सात डंपर, क्रेन बाढ़ में डूब गए। 72 घंटे की चहुंओर बारिश का गंगा में असर हुआ तो कर्मनाशा, चंद्रप्रभा, गड़ई नदियां उफना गईं। नदी एंव बांधों किनारे के रहवासी सुरक्षित ठिकानों की तलाश में नाव लेकर निकल पड़े। कर्मनाशा का रौद्र रूप देख तटवर्ती इलाके के लोग भयभीत हैं। जिला प्रशासन ने बाढ़ के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी करते हुए सिंचाई इंजीनियरों को अलर्ट कर दिया है। जानकारों के मुताबिक बारिश थमने के बाद भी हालात सामान्य होने में दो से तीन दिन लग जाएंगे।

दो पक्षों में मारपीट, ८ लोग घायल

महराजगंज, स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम सभा जिगनिहवा में रात दो पक्षों में हुई मारपीट में आठ लोग घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची डायल 100 पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर में भर्ती कराया गया, जहां मोलहू साहनी उम्र 55 वर्ष की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बरगदवा थाना क्षेत्र के जिगनिहवा गांव में सोमवार की देर रात ग्राम प्रधान रामबचन साहनी व चंदा चौधरी के बीच अतिक्रमण के एक मामले को लेकर जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी डंडे बरसाए, जिसमें गांव के एक पक्ष के मोलहू, तहरुन निशा, सोलहू, श्यामबदन, रामबचन, केशा तथा दूसरे पक्ष के चंदा व मोहन को गंभीर चोटें आई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर में देर रात भर्ती करा दिया। मामले में दोनों पक्ष ने एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मोलहू साहनी की तहरीर पर जिगनिहवा गांव निवासी रामानंद, शैलेश, मुन्ना, पन्ना, शंकर, छोटेलाल, सज्जार व महंथ पर प्राणघातक हमला, आईपीसी के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। जबकि दूसरे पक्ष के चंदा पत्नी मोहन की तहरीर पर गांव के रामबचन, श्यामबदन, मोहम्मद रजा, इशराक पर मारपीट की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है।

सांसद को रोजगार सेवकों ने सौंपा ज्ञापन

सिद्धार्थनगर, ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन की जनपद इकाई द्वारा मांगों

को लेकर डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल को ज्ञापन दिया। सांसद ने संघ को आश्वासन दिया कि मांगों को लेकर जल्द ही केंद्रीय विकास मंत्री एवं सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलकर समस्या का समाधान करूंगा। मंगलवार को सैकड़ों रोजगार सेवकों ने गेस्ट हाउस में बैठक किया। जिसमें जिला अध्यक्ष,प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप द्विवेदी ने कहा कि मानदेय बढ़ोत्तरी सहित तमाम समस्याओं की मांग को लेकर अधिकारी बेवजह परेशान करते है। ग्राम पंचायतों में कार्य कराए राज्य वित्त एवं चौदहवा वित्त आयोग के श्रम का भुगतान मनरेगा से कराया जाना है, लेकिन अधिकारी धरातल पर लागू नहीं करा रहे है। जिस पर सांसद ने रोजगार सेवकों से कहा कि सभी की समस्या हमारी समस्या है। साथ ही मुख्यमंत्री से मिलवाकर वार्ता कराने का कार्य करूंगा। शासनादेश के बाद भी अधिकारी अधिकारियों द्वारा लागू नहीं किया जा रहा है। इसकी शिकायत ग्रामीण मंत्री से भी करूंगा। इस अवसर पर जिला संयोजक राजेश चतुर्वेदी, अमरेश यादव, अखिलेश मौर्य, सुनील ठकुराई, आलोक पांडेय, सतीश कुमार, सदानन्द यादव, विजय लक्ष्मी, मुरारी सिंह, लाल बाबू मिश्र, राज कुमार चौधरी, सनोज पांडेय, विजय दुबे सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

मानव मात्र का धर्मशास्त्र गीता–स्वामी अड़गड़ानंद

वाराणसी, कपसेठी क्षेत्र के नहवानीपुर (जगदीशपुर) स्थित परमहंस आश्रम में शक्तेशगढ़ से पहुंचे स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के दर्शन को हजारों की भीड़ जुटी। सुबह से ही बूंदाबादी के बीच श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दोपहर एक बजे स्वामी जी के आगमन पर पूरा आश्रम परिसर सतगुरु देव भगवान के जयकारे से गूंज उठा। कुछ देर

विश्राम के बाद स्वामी अड़गड़ानंद ने भक्तों को दर्शन व आशीर्वचन दिया। उन्होंने कहा कि कृष्ण का नाम श्रद्धापूर्वक जपना चाहिए। मानव मात्र का धर्मशास्त्र गीता है। कहा कि गीता के अध्ययन मात्र से मनुष्य के सभी पाप धुल जाते हैं। कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला की तरह ही समाज को प्रौढ़काल के बाबत भी अध्ययन-मनन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सही मायने में जो काल पर विजय प्राप्त कर ले उसी की जयंती मनाई जाती है। कहा कि भगवान कृष्ण का जन्म जेल में हुआ था। उसी प्रकार यह संसार जेलखाना है और इस कैद से आजाद होने वाला परमात्मा स्वरूप हो जाता है। सनातन धर्म पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि आत्मा ही सत्य, सनातन और अविनाशी है। ईश्वर का भजन करने वाला सनातनधर्मी है। भगवान की शरण में जाने से जन्म जन्मांतर के पाप पलभर में धुल जाते हैं। इस अवसर पर शक्तेशगढ़ आश्रम के नारद महराज, तानसेन महाराज, सूरदास, कैलाश बाबा समेत तमाम संतों के अलावा दूर-दराज से पहुंचे भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। दिनभर आश्रम स्थल तथा आसपास का इलाका धार्मिक माहौल से परिपूर्ण रहा। लोग स्वामी अड़गड़ानंद के दर्शन व आशीर्वाद से खुद को धन्य महसूस कर रहे थे। भीड़ को देखते हुए कई थानों की फोर्स तैनात की गई थी।

करंट से चौकीदार की मौत

फैजाबाद, कोतवाली के ललुवापुर गांव में विद्युत स्पर्शाघात से चौकीदार की मौत हो गई है। चौकीदार रामतेज रावत (58) पुत्र बदल सरकारी नलकूप के निकट अपने खेत से आवारा पशुओं का हांकने गया था कि खेत के बीच से गुजरे 1100 वोल्ट के तार की चपेट में आ गया। उपनिरीक्षक हरेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तहसीलदार शिवप्रसाद ने बताया कि रिपोर्ट आने पर हर संभव आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मृतक के दो पुत्र उदयराज (40) व राजेश (32) हैं।

बाहर रखा सरिया उठा ले गए चोर

अमेठी, दुकान के बाहर रखी पांच टन सरिया चोर उठा ले गए। दुकानदार जब सुबह दुकान पर पहुंचा तो मामले की जानकारी हुई। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थानाक्षेत्र के बाबूपुर सरैया निवासी अबसार अहमद की आनंद नगर चौराहे पर दुकान है। वह प्रतिदिन की भाति दुकान बंद कर घर चला गया। आरोप है कि सोमवार सुबह जब वह दुकान खोलने आया तो देखा कि उसकी पाच टन सरिया चोर चोरी कर ले गए। पीड़ित दुकानदार यह देख हतप्रभ रह गया और उसने तत्काल थाने पहुंच मामले की शिकायत की।

सास का कर्मकांड करने वाली महिला ने पति को भी दी मुखाग्नि

गोंडा, सास को मुखाग्नि देकर चर्चा में आयी बहू पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मुंबई से मां की तेरहवीं में शामिल होने के लिए आ रहे उसके पति की भी रास्ते में मौत हो गयी। इस कारण इस महिला को पति का भी अंतिम संस्कार खुद करना पड़ा। क्षेत्र के ग्राम पंचायत बभनी के कलवारपुरवा निवासिनी गुड़िया के सास की बीमारी से गत 30 अगस्त को मौत हो गयी। पति राजितराम रोजी-रोटी के लिए मुंबई गया और वहीं बीमार हो गया। जहां एक निजी अस्पताल में उसका भी इलाज हो रहा था। मां की मौत की खबर के बावजूद जब वह घर नहीं आ सका, तो बहू गुड़िया ने मुखाग्नि दी एवं अन्य कर्मकांड करने लगी। इस बीच राजितराम मां की तेरहवीं में शामिल होने के लिए 10 वर्षीय पुत्र आकाश के साथ ट्रेन से घर आ रहा था। लखनऊ पहुंचने पर उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और बाराबंकी पहुंचते-पहुंचते उसकी मौत हो

गयी। खबर घर पहुंची तो महिला पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उसकी चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग मौके पर जमा हो गए। शाम को उसने अयोध्या सरयू तट स्थित शमशानघाट पर पति को भी मुखाग्नि दी।

लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ यात्रा का जोरदार स्वागत

ज्ञानपुर (भदोही), सामाजिक न्याय लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ के तहत दूसरे चरण के तहत मिर्जापुर से जिले में पहुंची समाजवादी पार्टी के साइकिल यात्रा का जगह-जगह पूरी गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। सपा के वरिष्ठ नेता किशन दीक्षित के अगुवाई में जिले की सीमा नरऊर में पहुंची सपा की साइकिल यात्रा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि देश में भ्रष्टाचार, अत्याचार बढ़ गया है। लोकतंत्र पर खतरा खड़ा हो चुका है। भाजपा के लोग देश से लोकतंत्र खत्म करना चाहते हैं। जिलाध्यक्ष मो आरिफ सिद्दीकी, महासचिव ओमप्रकाश यादव, पूर्व विधायक जाहिद बेग व विधायक मधुबाला पासी आदि ने स्वागत के बाद खुद साइकिल चलाते हुए आगे बढ़े। यहां स्वागत करने वालों में उमेशचंद्र बिंद, मनोज यादव आदि थे। ज्ञानपुर पहुंचने पर ज्ञानपुर पहुंचने पर जिला कार्यालय पर जुटे सैकड़ों की संख्या कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत किया। महेंद्र यादव, रमेश यादव, गामा यादव, लालचन्द बिन्द, मुन्ना खां श्यामधर यादव आदि थे। इसी तरह देवनाथपुर में वरिष्ठ नेता डा आरके पटेल के नेतृत्व में साइकिल यात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान डा. पटेल ने कहा कि मौजूदा केंद्र व प्रदेश सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है तो गरीबों का उत्पीड़न बढ़ गया है। कहा कि जनता ऊब चुकी है। ऐसे सभी सपा की ओर देख रहे हैं। इस मौके पर डा. विनोद शर्मा सहित अन्य थे।

नेता प्रतिपक्ष ने किया बाढ़ क्षेत्र का दौरा, मांगी मदद

मनियर (बलिया), नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने बाढ़ व कटान क्षेत्रों का दौरा कर जिला अधिकारी बलिया से पीड़ितों को तुरंत राहत दिलाने की मांग की। घाघरा के पानी में लगातार हो रही वृद्धि के कारण कटान पीड़ित गांव ककरघट्टा में बने स्पर धंस जाने व अधिकारियों द्वारा बात न सुनने की शिकायत ग्रामीणों ने नेता प्रतिपक्ष से की। शिकायत पर जायजा लेने पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

रामगोविंद चौधरी भरतपुरा, मलाहु टोला, दिया टुकड़ा नंबर दो, एलासगढ़, गोडवली, ककरघटा रीगवन छावनी आदि गांवों में पहुंचे। ग्रामीणों ने पशुओं के लिए चारा लाने के लिए नाव व ककरघट्टा गांव के पूर्वी छोर पर बनाए गए कंक्रीट के स्पर ध्वस्त होने की शिकायत की। नेता प्रतिपक्ष ने मौके से ही मोबाइल पर बाढ़ विभाग के अधिकारियों सहित एसडीएम बांसडीह व तहसीलदार की लापरवाही की शिकायत जिला अधिकारी से की। कहा कि ग्रामीण दहशत में हैं। बाढ़ विभाग के कोई भी अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं हैं। ग्रामीणों की सुविधा का कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा है। इस मौके पर रामाशंकर यादव, धर्मेंद्र मणिक, रामदेव यादव, जगमोहन, एजाज अहमद, शिवनारायण राय,सुरेन्द्र यादव, गंगासागर, प्रेमचंद यादव, संजय, आदि मौजूद रहे।

माइक में उतरा करंट, एक की मौत

पटेहरा (मिर्जापुर), सोमवार की रात कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के दौरान पटेहरा संत नगर पुलिस चौकी अंतर्गत अमोई पुरवा गांव में दर्दनाक घटना घटी जिसमें एक की मौत हो गई। यहां जन्माष्टमी पर भजन गाने के दौरान अचानक माइक में बिजली दौड़ गई जिसकी वजह से यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद वहां हड़कंप मच गया। किसी तरह से बिजली काटकर विद्युत चपेट में आए लोगों को नजदीक के सीएचसी सेंटर इलाज के लिए भेजा गया। पटेहरा ब्लाक के संतनगर पुलिस चौकी अंतर्गत अमोई पुरवा गांव के काचरियाशंर मंदिर पर कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार मनाया जा रहा था। इस दौरान लोग माइक पर भजन कीर्तन कर रहे थे। अचानक कहीं से शार्ट सर्किट हुआ और हाइटेंशन लाइन माइक में उतर गई। जिससे माइक पकड़े सज्जाक अली (48) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं आसपास बैठे चार लोग करंट की चपेट में आकर झुलस गए। मंदिर में हड़कंप मच गया जिससे दो लोग बेहोश होकर वहीं गिर गए।

बारिश से मकान ढहा, ४ लोग घायल

अमेठी, बरसात के चलते स्थानीय थानाक्षेत्र के एक गांव में पक्का मकान गिरने व उसकी चपेट में आने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। थानाक्षेत्र के खौपुर मजरे माहेमऊ निवासी अमर बहादुर का रोड के बगल मकान बना हुआ था। लगातार दो दिन से हो रही तेज बरसात के चलते पक्का मकान एका-एक गिरने लगा। मकान के अंदर कुछ लोग बैठे हुए थे जो गिरते मकान को देख भागकर अपनी जान बचाई। वहीं गांव के रामचंदर (45), राम बहोर (48), राम आधार (50) व अमर बहादुर (51) सहित चार लोग उसकी चपेट में आकर घायल हो गए। ग्रामीणों व जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर सभी को बाहर निकाला गया। घायलों सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां पर रामआधार की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक बीसी दुबे, एसडीएम देवी दयाल वर्मा, सीओ सूक्ष्म प्रकाश व कोतवाल सहित सभी अधिकारी

घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। एसडीएम ने बताया कि राजस्व टीम को लगाया गया है। क्षतिपूर्ति का आंकलन कर जो सहायता राशि होगी उपलब्ध कराई जाएगी।

रपटा पुल का हाल जानने के लिए पहुंचे एसडीएम

केराकत (जौनपुर), रपटा पुल टूटने की घटना को प्रमुखता से प्रकाशित करने के बाद मंगलवार को मौके पर पहुंचे एसडीएम ने जरूरी निर्देश दिए। क्षेत्र के ग्राम सरोजबड़ेवर में टाई नाले पर बना रपटा पुल लगातार बारिश की वजह से टूट गया। पूल टूटने से स्थानीय लोगों की परेशानियों को बया करती खबर विस्तार से प्रकाशित की। इसके बाद अधिकारियों की न सिर्फ नींद टूटी, बल्कि ग्रामीणों की परेशानियों को जानने मौके पर एसडीएम केराकत चंद्रेश कुमार वर्मा पहुंचे। सुबह एसडीएम ने गांव में जाकर टूटे पुल व चेकडैम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रधान जयसिंह यादव व ग्रामीणों से भी बात की। एसडीएम ने हादसा रोकने के लिए पुल के दोनों ओर बांस-बल्ली लगाकर रास्ते को बंद करने का आदेश दिया।

मानसिक बिमारी से ग्रस्त युवक की इलाज के दौरान मौत

सूरत। डिंडोली में रहने वाले एक युवक ने तीन दिन पहले चुी का शीशा खा लिया था। जिसके कारण पेट मे दर्द होने के बाद उसे ईलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां ईलाज के दौरान गत रोज शाम को उसकी मौत हो गई। युवक पिछले काफी समय से मानसिक बिमारी से पीड़ित था और उसका इलाज भी चल रहा था। बिमरी और तनाव के कारण उसने यह कदम उठाया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डिंडोली सिथत संतोषीनर में रहने वाले भरत क्रिष्णा जादव (33) ने गत 2 सितम्बर को बाह कहीं से चुड़ी का शीशा खार घर पर आया था। घर आने के बाद पेट में दर्द होने से उसने माता पूर्णिमाबेन को इस बारे में बताया। जिससे माताएकदम से घबरा गई और 108 एम्ब्युंस द्वारा ईलाज हेतु नई सिविल हॉस्पिटल में ले जाया गया।

जहां उसकी हालत देक ड़ॉक्टर ने तत्काल ऑपरेशन करने का निर्णय लिये और उसके ऑपरेशन थियेटर में ले गए। पुलिस के अनुसार रात बारह बजे उसका ऑपरेशन पूरा हुआ और डॉक्टरों ने कई शीशे के टुकड़े उसके पेटल से बाहर निकाले। जिसके बाद उसके वॉर्ड में दाखिल किया गया। इस दौरान गत रोज शाम को उसकी मौत हो गई। घटना के संदर्भ में डिंडोली पुलिस के एएसआई अनिलभाई अतिरिक्त जाकारी देते हुए बताया कि भरत जादव का एक वर्ष पहले ही विवाह हुआ था लेकिन विवाह के चार दिन बाद ही पत्नी झगड़ा कर मायके चली गई। जिसके बाद वह मानसिक तनाव में आ गया था। जिसकी मानसिक बिमारी का ईलाज भी चल रहा था और फिलहाल वह उसकी माता के साथ रह रहा था। पुलिस इस मामले की आगे की जांच कर रही है।

केंद्र में सिर्फ मोदी ही मंत्री बाकी सब उनके असिस्टेंट: जयपाल रेड्डी

रफाल मुद्दे परे लगाए एनडीए सरकार पर गंभीर आरोप

सूरत. पूर्व केंद्रीय मंत्री एस जयपाल रेडडी ने कहा कि रफाल सौदा एनडीए सरकार के लिए बोफोर्स साबित हो सकता है। यह बोफोर्स से भी बड़ा मामला है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार 2019 में रिपीट नहीं होगी। रफाल एयरक्रा ट सौदे को लेकर लगातार हमलावर हो रही कांग्रेस ने इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को सूरत में भी एनडीए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एस. जयपाल रेड्डी बुधवार सुबह सूरत आए और संवाददाताओं से मुखाबित हुए। रफाल सौदे पर चर्चा करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि रफाल एयरक्रा ट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच एक अंडरस्टैंडिंग बनी, जिससे करीब 19 हजार करोड़ रुपए का सौदा 60 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया। रफाल को रक्षा से जुड़ा सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए रेडडी ने पत्रिका से बातचीत में कहा कि यह मुददा लोगों को समझ आने लगा है। बोफोर्स की तरह यह भी सरकार परिवर्तन का वायस बन सकता है।

ध्यान रहे कि वर्ष 1986 में हुए बोफोर्स सौदे में दलाली का आरोप सामने आने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार में केंद्रीय मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। सिंह के नेतृत्व में इस मामले को लेकर बने जनमोर्चा की मुहिम देशभर में चली और राजीव सरकार को अगले चुनाव में शिकस्त झेलनी पड़ी थी। रेड्डी ने पत्रिका से बातचीत में माना कि रफाल भी बोफोर्स की तरह सत्ता परिवर्तन की वजह बनेगा और 2019 में एनडीए सरकार रिपीट नहीं होगी। इस मामले को लेकर अदालत में जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम कानून की अदालत नहीं जनता की अदालत में मामले को लेकर जा रहे हैं।

रफाल सौदे से जुड़ी जानकारियां साझा करते हुए उन्होंने कहा कि इस सौदे के दो दिन पहले यानि आठ अप्रेल 2015 को भारत के विदेश सचिव ने साफ किया था भारत के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति के बीच बैठक में रफाल सौदे पर कोई चर्चा नहीं होगी। उन्होंने कहा था कि एचएएल और द सॉल्ट के बीच करार के लिए बातचीत जारी है। साफ है कि विदेश सचिव को इस सौदे पर चर्चा और हस्ताक्षर की कोई जानकारी नहीं थी। तत्कालीन रक्षामंत्री मनोहर पर्रिकर को भी इस सौदे की कोई जानकारी नहीं थी। रिलायंस के अनिल अंबानी पर निशाना साधते हुए कहा कि अंबानी कारोबारी हैं और उनके हित कारोबार से जुड़े होंगे। इस समझौते पर हस्ताक्षर से 12 दिन पहले अंबानी ने अपनी कंपनी का पंजीकरण करवाया था। साफ है कि रफाल सौदे पर हस्ताक्षर से पहले अनिल अंबानी को इसकी जानकारी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपीए की तुलना में एनडीए सरकार ने करीब 41 हजार करोड़ रुपए ज्यादा देकर 36 रफाल विमान खरीदे हैं। उन्होंने अंबानी की कंपनी को एक लाख रुपए के लाइफ साइकल कॉस्ट कांट्रेक्ट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सीधे तौर पर यह सौदा भारत को 1.60 लाख करोड़ रुपए का पड़ा है। उन्होंने साफ किया कि एयरक्रा ट की गुणवत्ता पर कोई संदेह नहीं है। सवाल इसकी कीमत को लेकर है और एचआइएल की जगह करार अंबानी की कंपनी के साथ होने की वजह पर है।

यार्न व्यवसायियों पर वीवर्स को परेशान करने का आरोप

सूरत। साउथ गुजरात यार्न डीलर्स एसोसिएशन की ओर से हाल में ही माल बिक्री के पहले वीवर्स से कोरा चेक लेने का निर्णय किया गया है। फैडरेशन ऑफ गुजरात वीवर्स एसोसिएशन ने इस फैसले के खिलाफ वीवर्स को परेशान करने का आरोप लगाया है।फोगवा का कहना है कि साउथ गुजरात यार्न डीलर एसोसिएशन की ओर से सौदा के पहले कोरा चेक लेने का निर्णय ठीक है, लेकिन सूरत में 95 प्रतिशत यार्न व्यवसायी और वीवर्स एक दूसरे को जानतें हैं। अविश्वास की समस्या सिर्फ पांच प्रतिशत किस्सों में ही आता है। फोगवा ने आरोप लगाया कि यार्न डीलर्स में आपस में ही एक दूसरे के ग्राहकों को अपनी ओर खींचने का प्रयास चल रहा है। उनके बीच चल रही स्पर्धा के कारण वीवर्स परेशान हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले ही साउथ गुजरात यार्न डीलर एसोसिएशन की मीटिंग हुई थी। मीटिंग में वीवर्स की ओर से समय पर नहीं आ रहे पेमेन्ट को लेकर चर्चा हुई और यार्न व्यवसायियों ने वीवर्स से सौदे के पहले कोरा चेक लिखवाने का निर्णय पारित किया।

यार्न की लगातार बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने की मांग यार्न की कीमत डेढ़ महीने से लगातार बढ़ रही है। आगामी दिनों में भी यार्न की कीमत में कमी आने के कोई आसार नहीं हैं। वीवर्स का आरोप है कि डॉलर की कीमत बढने की आड़ में उत्पादक जान बूझकर यार्न की ज्यादा कीमत वसूल रहे हैं। फैडरेशन ऑफ गुजरात वीवर्स एसोसिएशन ने इसके खिलाफ कलक्टर को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है।फोगवा ने ज्ञापन में बताया कि यार्न उत्पादक कार्टेल्स बनाकर मनमाने ढंग से यार्न की कीमत बढ़ा रहे हैं। डॉलर की बढ़ी कीमत की अपेक्षा तीन गुना ज्यादा कीमत बढ़ा चुके हैं। यार्न की कीमत बढने के कारण यार्न उत्पादक वीवर्स ने कम कीमत पर बुक किए ऑर्डर रद्द कर रहे हैं। इस तरह से मनमाना निर्णय लेने वाले यार्न उत्पादकों के खिलाफ कार्रवाई करने और पन्द्रह दिनों के अंतराल में ही कीमत बढ़ाने या घटाने का निर्णय लागू करने की मांग की।

बांद्रा टर्मिनस-झांसी एक्सप्रेस में जुड़ेगा 3 टियर एसी का अस्थायी डिब्बा

सूरत। त्योहारों के दौरान पश्चिम रेलवे 11104/11103 बांद्रा टर्मिनस-झांसी द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त एसी 3 टियर डिब्बा जोड़ेगा। जनसंपर्क विभाग के अनुसार 11104 बांद्रा टर्मिनस-झांसी द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से तत्काल प्रभाव से 31 दिसबर तक तथा 11103 झांसी-बांद्रा टर्मिनस द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस में झांसी से 4 सितबर से 2 जनवरी तक यह अतिरिक्त डिब्बा जोड़ा जाएगा।

चेकअप के दौरान विवाहिता से बलात्कार का आरोप

सूरत. नानपुरा क्षेत्र के एक अस्पताल में आइवीएफ का उपचार करवा रही एक विवाहिता के साथ शहर के एक नामी डॉक्टर पर बलात्कार करने का आरोप लगा है। अठवा पुलिस ने मंगलवार रात मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। इस घटना के सामने आने से शहर के चिकित्सा जगत में चर्चा शुरू हो गई है।

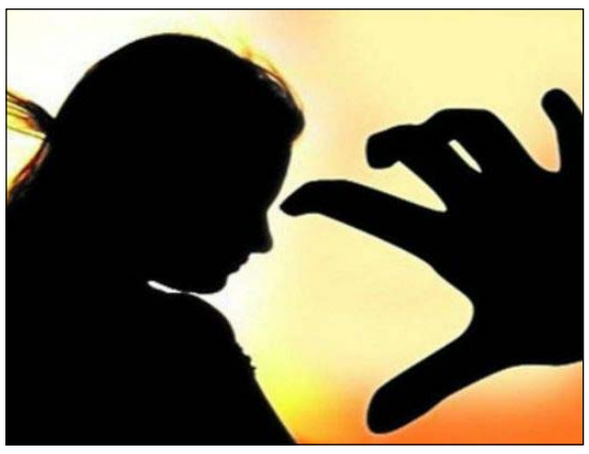

अठवालाइन्स पुलिस सूत्रों के मुताबिक पीड़िता 28 वर्ष की है तथा उसकी शादी हुए पांच साल हो चुके हैं। इतने समय बाद भी संतान नहीं होने के कारण वह महीना भर पूर्व पति के साथ नानपुरा स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए गई थी। वहां आइवीएफ तकनीक के तहत उसका उपचार शुरू किया गया था। महीने भर में तीन बार वह अस्पताल गई। उसके बाद मंगलवार को वह पति के साथ दोपहर ग्यारह बजे अस्पताल पहुंची।

करीब डेढ़ बजे उसे डॉ. प्रफुल्ल दोषी ने अपने कंसल्टिंग रूम में बुलाया। वहां एक नर्स थी। उसने पर्दे के पीछे लिटाया और इंजेक्शन लगा कर चली गई। उसके बाद डॉ. प्रफुल्ल दोषी ने छेड़छाड़ शुरू की और धमकी दी कि इस बारे में किसी से कुछ कहा तो तुझे इंजेक्शन देकर खत्म कर दूंगा। तेरा पति बाहर ही बैठा रहेगा। कुछ नहीं कर पाएगा।

उसके बाद उन्होंने बलात्कार किया। करीब आधे घंटे बाद वह बाहर निकली। नीचे पार्किंग में पहुंच कर अपने पति को डॉक्टर की करतूत के बारे में बताया। उसके पति ने मित्रों परिचितों से बात की और शाम को अठवालाइन्स पुलिस थाने पहुंच कर घटना की प्राथमिकी दर्ज करवाई। पुलिस ने अभी डॉक्टर प्रफुल्ल दोषी को गिर तार नहीं किया है। बुधवार दोपहर पुलिस ने पीड़िता का न्यू सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाया।

मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार

पीड़िता के आरोपों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपित को गिर तार नहीं किया गया है। पीड़िता का मेडिकल करवाया गया है, लेकिन अभी रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हार्दिक ने पाटीदार समाज को किया आगाह

भाजपा पाटीदारों को बदनाम करने के लिए हिंसा भी करवा सकती है

अहमदाबाद । पास के कन्वीनर हार्दिक पटेल ने बुधवार को राज्य सरकार पर हिंसा जैसी घटनाओं को अंजाम देने की तैयारी कर रही होने का गंभीर आरोप लगाया था और इसे लेकर पाटीदार समाज को सावधान रहने की अपील की थी। उन्होंने बताया है कि, ११ दिन के उपवास में कोई हिंसा नहीं हुई है, इसी वजह से अब आंदोलन तोड़ने के लिए और पाटीदारों को बदनाम करने के भाजपा साजिश खेल खेलेंगी लेकिन गुजरात के किसानों और युवा संयम रखे । भाजपा या पुलिस के विरूद्ध संघर्ष नहीं करे, गांधीजी बताये हुए मार्ग पर चलकर अधिकार मांगे ऐसी अपील की थी । हार्दिक पटेल के अनिश्चितकालीन उपवास का बुधवार को १२ दिन है । इसके उपवास के ११वें दिन सरकार सक्रिय हो गई थी । गत दिन मंत्री सौरभ पटेल ने हार्दिक को इसके स्वास्थ्य की सरकार चिंता करती है यह बताया है । सरकार ने पाटीदार समाज की अग्रणी छह संस्था के अग्रणियों को बातचीत के लिए बुलाया था । ऊर्जामंत्री सौरभ पटेल, कौशिक पटेल और प्रदीपसिंह जाडेजा तथा पाटीदार समाज के अग्रणियों के बीच ढाई घंटे तक चली इस बैठक में सरकार ने पाटीदार अग्रणियों को हार्दिक पटेल को जल्दी से उपवास तोड़ने के लिए समझाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी ।

दूसरी तरफ हार्दिक पटेल की तरफ से यह बताया गया है कि, सरकार के साथ चर्चा करने के लिए गये सामाजिक अग्रणी यह कोई पास के ऑफिशियल प्रतिनिधि नहीं है उनको सरकार के साथ बात करने के लिए नहीं भेजा गया है । यदि कोई चर्चा करनी हो तो सरकार सीधा मेरे साथ ही चर्चा करे । उल्लेखनीय है कि, पाटीदार समाज की छह

संस्थाओं के अग्रणियों की सोला उमियाधाम में मंगलवार को बैठक हुई थी । इसके बाद वह सरकार के साथ बातचीत करने के लिए गांधीनगर पहुंचे थे। बैठक पूरी होने के बाद पाटीदार अग्रणी सीके. पटेल ने बताया है कि, सरकार के साथ बैठक में समाज के सभी मुद्दों पर विस्तार में चर्चा हुई । सरकार ने हमें सामने से आमंत्रण दिया और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है ।

एक फीट तक की प्रतिमाओं पर कोई शुल्क नहीं होगा

सूरत। गणेशोत्सव के दौरान तैयार होने वाले कृत्रिम तालाबों में गणपति विसर्जन के लिए अब मनपा को शुल्क चुकाना होगा। मनपा सभी जोनों में दो-दो कृत्रिम तालाब बनाएगी। जिसमें मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होगा। बाकी बड़ी प्रतिमाओं को डुमस के समुद्र में विसर्जित किया जाएगा। इस पर मनपा द्वारा लगभग 1.20 करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी है। वर्ष 2017 में करीब 1.05 करोड़ रुपए तक खर्च कर चुकी है। इस वर्ष खर्च को वसूलने के लिए मूर्तियों को कृत्रिम तलाब में विसर्जित किए जाने पर मनपा शुल्क लेगी। जिसके तहत एक फुट तक की उंचाई वाली प्रतिमा के लिए

कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। एक से तीन फीट के लिए 250 रुपए, 3 से 5 फीट के लिए 600 रुपए शुल्क होगा। इस शुल्क को हर वर्ष 10 प्रतिशत की दर से बढ़ाया जाएगा। कृत्रिम तालाबों को भरने के लिए मनपा 1.68 करोड़ लीटर पानी का इस्तेमाल करेगी। तालाब के पास के वाटर पंपिंग स्टेशन से पानी लिया जाएगा। इसमें इस्तेमाल होने वाला पानी पीने वाला होगा। गणेश प्रतिमाओं को स्वच्छ जल में विसर्जित किए जाने के लिए यह व्यवस्था की गई है। विसर्जन में इस्तेमाल किए गए पानी को ट्रीट करके उसे इंडस्ट्रीज को भेजा जाएगा।

हार्दिक का अल्टीमेटम, 24 घंटे में बातचीत नहीं तो जल त्याग

अहमदाबाद. पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति के मुख्य संयोजक हार्दिक पटेल ने अनशन के 12वें दिन बुधवार रात को सरकार को अनशन मामले में समाधान के लिए तैयारी दर्शाते हुए बातचीत करने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इस दौरान बातचीत शुरू नहीं करने पर फिर से जल त्याग करने की घोषणा की है। इसके परिणामों के लिए सरकार के जि मेदार होने की भी बात कही। मीडिया के जरिए या फिर अन्य किसी भी व्यक्ति, संस्था के जरिए बातचीत ना करके सीधे हार्दिक के अनशन स्थल पर आकर बातचीत करने की मांग हार्दिक की ओर से की गई है।बुधवार रात को पास के संयोजक मनोज पनारा ने हार्दिक की ओर से की गई इन मांगों से संवाददाताओं को अवगत कराया। पनारा ने कहा कि हार्दिक की सिर्फ तीन मांगें हैं।

शिवसेना ने भी किया हार्दिक पटेल का समर्थन

अहमदाबाद। पिछले 12 दिनों से आमरण अनशन कर रहे पास नेता हार्दिक पटेल को आज शिवसेना का समर्थन मिल गया। पाटीदारों को आरक्षण और किसानों की कर्ज माफी की मांग को लेकर हार्दिक पटेल 25 अगस्त से भूख हड़ताल पर हैं।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आज मुंबई में पत्रकार परिषद कर हार्दिक पटेल को समर्थन का ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैंने हार्दिक पटेल से बातचीत कर उन्हें भूख हड़ताल समेट लेने की सलाह दी है। साथ ही उद्धव ठाकरे ने कहा कि सरकार को भी हार्दिक पटेल से बातचीत कर मामले का समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। उद्धव ठाकरे के बयान के बाद गुजरात की राजनीति गरमा गई है। गौरतलब है गुजरात के गत विधानसभा चुनाव में शिवसेना ने हार्दिक पटेल को भविष्य का मुख्यमंत्री पद का उ मीदवार बताते हुए उन्हें समर्थन करने की घोषणा की थी।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com